

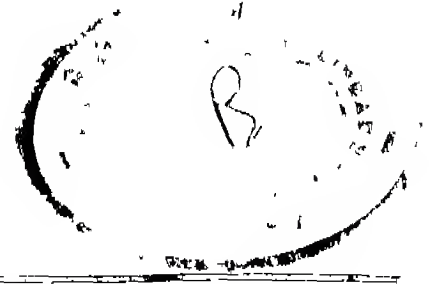


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 117]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 16, 1984/चैत्र 27, 1906

No. 117]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 16, 1984/CHAITRA 27, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्र संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1984

सं. 91/84-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

सा. का. नि. 285 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की (जिसे इसमें इसके पश्चात् केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम कहा गया है) धारा 11 ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसी प्रथा के अनुसार जो उत्पाद शुल्क के उद्ग्रहण की बाबत (जिसके अन्तर्गत उसका उद्ग्रहण न किया जाना भी है) साधारणतया प्रचलित थी, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम की पहली अनुसूची की मद 4 की उपमद 2 (4) के अन्तर्गत आने वाले दानों के रूप में 'गूडकू' नाम से ज्ञात भूग्नपान मिश्रण पर केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अधिनियम की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय उत्पाद-शुल्क, अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क (विशेष महत्व का माल) अधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 के अधीन उद्ग्रहणीय अतिरिक्त उत्पाद शुल्क और वित्त अधिनियम, 1980 (1980 का 13) की धारा 5 के अधीन उद्ग्रहणीय विशेष उत्पाद शुल्क, उक्त अधिनियमों के अधीन उस सीमा तक उद्ग्रहीत नहीं किया जा रहा था जितना

1 मार्च, 1979 से प्रारंभ होने वाली और 10 दिसम्बर, 1980 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) के अधीन जारी की गई किसी अधिसूचना के साथ पठित उक्त पहली अनुसूची की मद 4 की उप मद 2 (7) के अन्तर्गत आने वाले हुक्का तम्बाकू पर उद्ग्रहणीय शुल्क से अधिक था, यह निदेश देती है कि ऐसे गूडकू पर संदेय संपूर्ण उत्पाद-शुल्क उस गूडकू की बाबत संदाय किया जाना अपेक्षित नहीं होगा जिस पर उत्पाद शुल्क का उक्तप्रथा के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान उद्ग्रहण नहीं किया गया था ।

[फा. सं. 81/12/81-सी एक्स 3]
सी. माथूर, जवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th April, 1984

No. 91/84-Central Excises

G.S.R. 285 :—In exercise of the powers conferred by section 11C of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) (hereinafter referred to as Central Excises Act) the Central Government, being satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duties

of excise (including non-levy thereof), the duty of excise leviable under section 3 of the Central Excise Act, additional duty of excise leviable under section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), and special duty of excise leviable under section 5 of the Finance Act, 1980 (13 of 1980) on smoking mixture known as 'gudaku' in the form of granules, falling under sub-Item II (4) of Item 4 of the First Schedule to the Central Excises Act, was not being levied under the said Acts, as was in excess of the duty leviable on hookah tobacco, falling under sub-Item II (7) of Item No. 4 of

the said First Schedule read with any notification issued under sub-rule (1) of rule 8 of Central Excises Rules, 1944, during the period commencing on the 1st March, 1979 and ending with the 1st December, 1980, hereby directs that the whole of the duty of excise payable on such gudaku shall not be required to be paid in respect of gudaku on which duty of excise was not levied during the period aforesaid in accordance with the said practice.

[F. No. 81/12/81-CX.3]
C. MATHUR, Under Secy.